राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय
धर्मशाला

ICT/To be uploaded on website.
21/10/2021

वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र – 2020-2021

मुख्यातिथि
प्रो. अनिता चम्बियाल
सेवानिवृत्त प्राचार्या

प्रस्तुति:
प्रो. सपना बण्टा
प्राचार्या
रा.अ.शि.महाविद्यालय
धर्मशाला

दिनांक : - 19 अक्तूबर 2021

प्रातः स्मरणीया माँ सरस्वती को नमन करते हुए **'वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह' सत्र - 2020-21** की इस पावन वेला के अवसर पर माननीय **मुख्यातिथि प्रो. अनिता चम्बियाल,** सेवा निवृत्त प्राचार्या, यहाँ उपस्थित महानुभाव और महाविद्यालय की शान, भव्य भारत के कर्णधार, प्रिय प्रशिक्षु छात्राध्यापक-छात्राध्यापिकाओं! मैं अपनी और महाविद्यालय परिवार की ओर से आप सभी का हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन करती हूँ।

🗎 महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय :-

धौलाधार के सुरम्य प्राकृतिक आँचल में स्थित 'राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय', धर्मशाला की स्थापना; अक्तूबर 1956 में हुई थी। उस समय यहाँ केवल नये शिक्षणार्थियों को ही प्रशिक्षण दिया जाता था। सितम्बर 1962 में 'राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद्' (एन.सी.ई.आर.टी.) नई दिल्ली द्वारा इस महाविद्यालय में 'प्रसार सेवा विभाग' स्थापित किया गया, जिससे इस संस्था के कार्यक्षेत्र में भी विस्तार हुआ। इस विभाग का कार्य, सेवारत अध्यापकों को नवीन पाठ्यक्रम तथा शिक्षण की नई तकनीक के अनुसार प्रशिक्षित करना था; ताकि उनका अध्यापन और अधिक प्रभावी बन सके। प्रसार सेवा विभाग के अन्तर्गत चम्बा, काँगड़ा, हमीरपुर, कुल्लू, ऊना व मण्डी जिलों के सभी माध्यमिक, उच्च एवं उच्चतर विद्यालयों को शामिल किया गया। वर्ष 1994 में 'मानव संसाधन विकास मन्त्रालय', नई दिल्ली द्वारा इस महाविद्यालय को शिक्षा महाविद्यालय के स्थान पर **'राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय'** की वशिष्ट श्रेणी प्रदान की गयी। आज यह महाविद्यालय नये शिक्षणार्थियों तथा सेवारत शिक्षकों के शिक्षण हेतु विविध कार्यक्रमों व कार्यशालाओं के आयोजन में अपनी विशिष्ट भूमिका अभिनीत कर रहा है।

मान्ये! मुझे आपको यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि यह हिमाचल प्रदेश का एकमात्र **'राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय'** है, जिसे वर्ष **2008** व **2015** में **'राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्' (नैक)** द्वारा **'बी'ग्रेड** से अलंकृत किया गया है।

'वार्षिक प्रतिवेदन' संस्थान का एक सरकारी प्रपत्र होता है, जिसमें गत वर्ष के कार्यों का विस्तृत विवरण व जानकारी प्रदान की जाती है।

महोदये! अब मैं आपके समक्ष वर्ष 2020-2021 का **'वार्षिक प्रतिवेदन'** प्रस्तुत करने जा रही हूँ।

🗎 महाविद्यालय में सदस्यों की संख्या :-

महाविद्यालय में शिक्षक वर्ग के 24 स्वीकृत पदों में से वर्तमान में विभिन्न विषयों के 14 शिक्षक कार्यरत हैं,जबकि 10 पद रिक्त हैं। गैर शिक्षक वर्ग के स्वीकृत 22 पदों में 10 पद रिक्त हैं। इसके अतिरिक्त पुस्तकालयाध्यक्ष का पद भी रिक्त है। वर्तमान में पुस्तकालय का कार्यभार प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त पुस्तकालय-सहायक द्वारा निर्वहन किया जा रहा है।

🗎 महाविद्यालय से सेवानिवृत्ति :-

इस महाविद्यालय से आप 'प्रो. अनीता चम्बियाल' सकुशल अपना कार्यकाल पूर्ण करते हुए 30 नवम्बर 2020 को, प्राचार्या पद से सेवानिवृत्त हुईं ।

🗎 महाविद्यालय से स्थानान्तरण :-

डॉ. अतुल आचार्य	(प्राध्यापक)	राजकीय महाविद्यालय, मटौर
डॉ. सचिन कुमार	(प्राध्यापक)	राजकीय महाविद्यालय, शाहपुर
डॉ. बीना सी. नायर	(प्राध्यापक)	राजकीय महाविद्यालय, धर्मशाला
श्रीमती उमा मिन्हास	(अधीक्षिका,ग्रेड-2)	उपनिदेशक उच्चतर शिक्षा, धर्मशाला
श्रीमती श्यामा	(पुस्तकालय अध्यक्षा)	राजकीय महाविद्यालय, पालमपुर
श्रीमती विजय लक्ष्मी	(चतुर्थ श्रेणी)	रा. कन्या व. मा. पाठशाला, धर्मशाला

🗎 महाविद्यालय में नये सदस्यों का आगमन :-

प्रो. सपना बण्टा	(प्राचार्या)	रा. महा. तकीपुर से
डॉ. रविन्द्र सिंह गिल	(प्राध्यापक)	रा. महा. शाहपुर से

डॉ. रमेश कौण्डल	(प्राध्यापक)	रा. महा. मटौर से
प्रो. शिवानी दत्ता	(प्राध्यापिका)	रा. महा. मटौर से
डॉ. नरेश मनकोटिया	(प्राध्यापक)	रा. महा. धर्मशाला से
श्री अश्वनी कुमार	(अधीक्षक,ग्रेड-2)	रा. महा. हरिपुर (गुलेर) से
श्री मुनीश कुमार	पुस्तकालय-सहायक (प्रतिनियुक्ति)	रा. महा. धर्मशाला से

🗎 प्रशिक्षु छात्राध्यापक संख्या :-

महाविद्यालय में अध्येताओं की कुल संख्या 500 निर्धारित है, जिसमें 250 प्रशिक्षु छात्राध्यापक प्रथम वर्ष (द्वितीय सत्र) में तथा 250 द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सत्र) में हैं। प्रथम वर्ष, विज्ञान संकाय (मैडिकल) में 50 छात्र, विज्ञान संकाय (नॉन मैडिकल) में 100 छात्र तथा कला एवं वाणिज्य संकाय में 100 छात्र हैं। महाविद्यालय में सामान्य वर्ग की 265, अनुसूचित जाति की 91, अनुसूचित जनजाति की 45 एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की 93 सीटें आरक्षित हैं। वर्तमान सत्र 2019-21 में 226 और सत्र 2020-22 में 233 छात्राध्यापक अध्ययन कर रहे हैं।

🗎 परीक्षा परिणाम :-

महाविद्यालय के सत्र 2018-20 की विश्वविद्यालयीय परीक्षा में महाविद्यालय की कुमारी सुष्मिता ठाकुर प्रथम, कुमारी रचना द्वितीय और कुमारी नेहा शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। सत्र 2019-21 के प्रथम एवं द्वितीय सत्र के प्रशिक्षु अध्यापकों का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा में महाविद्यालय में प्रथम सत्र की परीक्षा में कुमारी शीतल प्रथम, कुमारी कोमल द्वितीय, कुमारी तमन्ना व कुमारी शबनम ठाकुर तृतीय स्थान पर रहीं। द्वितीय सत्र में कुमारी रीतिका, कुमारी रीशा शर्मा क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर, जबकि कुमारी नेहा व कुमारी संजीवनी कश्यप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

🗎 छात्रवृत्तियाँ :-

हमारे महाविद्यालय में विभिन्न श्रेणियों के पात्र प्रशिक्षु छात्राध्यापकों के लिए राज्य सरकार व केन्द्रीय सरकार के द्वारा प्रदान की जाने वाली छात्र-वृत्तियों का विवरण इस प्रकार से है :-

- पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रवृत्ति योजना, हिमाचल प्रदेश।
- महर्षि वाल्मीकि छात्रवृत्ति योजना, हिमाचल प्रदेश।
- IRDP छात्रवृत्ति योजना, हिमाचल प्रदेश।
- इन्दिरा गाँधी उत्कर्ष छात्रवृत्ति योजना, हिमाचल प्रदेश।
- पोस्ट मैट्रिक अल्प समुदाय हेतु छात्रवृत्ति, केन्द्रीय योजना।
- पोस्ट मैट्रिक दिव्यांग विद्यार्थी हेतु छात्रवृत्ति, केन्द्रीय योजना।
- डॉ.अम्बेडकर, आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग हेतु पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, हिमाचल प्रदेश।

सत्र 2020-21 में **'राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पटल'** (नैशनल स्कॉलरशिप पोर्टल) के माध्यम से महाविद्यालय के 15 प्रशिक्षु अध्यापकों ने विभिन्न छात्रवृत्तियों के लिए आवेदन किया है।

🗎 पुस्तकालय :-

'विद्याविहीनः पशुः'। पुस्तकों को ही विद्योपार्जन का सर्वश्रेष्ठ साधन माना गया है। अतः पुस्तकालयों का महत्त्व देवालयों की ही भाँति है, क्योंकि ये माँ सरस्वती के मन्दिर हैं। यह एक ऐसा स्थान है, जहाँ कोई भी मनुष्य विस्तृत एवं नवीनतम ज्ञान प्राप्त कर सकता है। हमारे महाविद्यालय में विभिन्न विषयों से सम्बन्धित 17645 पुस्तकें विद्यमान हैं। प्रशिक्षु अध्यापकों की समसामयिक ज्ञानवृद्धि के लिए वर्तमान में 6 पत्रिकाएँ, 1 पत्र (जरनल) 6 दैनिक समाचार पत्रों की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही साथ पुस्तकालय में **'इनफ्लिब्नेट'** का प्रावधान भी किया गया है, जिसके तहत 1,06000 ई.

पुस्तकों और 6000 से अधिक ई पत्र-पत्रिकाओं की भी छात्राध्यापकों को सुचारु रूप से सुविधा प्राप्त हो रही है। **'बुक बैंक'**सुविधा के अन्तर्गत आर्थिक रूप से पिछड़े प्रशिक्षु छात्राध्यापकों को अध्ययनार्थ अधिक अवधि के लिए निःशुल्क पुस्तकें प्रदान की जाती हैं। इस पुस्तकालय में 100 अध्येता एक समय में बैठकर अध्ययन कर सकते हैं। पुस्तकालय-सहायक 'मुनीश कुमार' द्वारा प्रौद्योगिकीय युग में पुस्तकालय का अंकरूपण (डिजीटाइजेशन) करने का यथा सम्भव प्रयास किया जा रहा है।

🗎 धौलाधार पत्रिका :-

विद्यार्थियों के हृदयंगम मनोभावों को व्यक्त करने, उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने एवं उनकी स्वतन्त्र लेखन की मनोवृत्ति को विकसित करने के लिए महाविद्यालय की ओर से प्रतिवर्ष **'धौलाधार'** पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है। पत्रिका की मुख्य-सम्पादिका, प्रो. अंजली शर्मा हैं।

🗎 कन्या छात्रावास :-

महाविद्यालय का अपना कन्या छात्रवास है, जिसमें 74 छात्राध्यापिकाओं के रहने की व्यवस्था है। वर्तमान में 46 छात्राध्यापिकाएँ छात्रावास में रह रहीं हैं। 'प्रो. बबीता चम्बियाल' छात्रावास-संरक्षिका (वार्डन) का दायित्व निर्वहन कर रही हैं।

🗎 अभिभावक-शिक्षक संघ :-

हिमाचल प्रदेश के समस्त शिक्षण संस्थानों में अभिभावक शिक्षक संघ की स्थापना एवं व्यवस्था करना अनिवार्य है। इसका उद्देश्य अभिभावक एवं महाविद्यालय प्रशासन में सहभागिता व समझ उत्पन्न करना तथा विकास के कार्यों में पारस्परिक सहयोग करना है। महाविद्यालय में हिमाचल प्रदेश के अन्य शिक्षण संस्थानों की भान्ति **'अभिभावक-शिक्षक संघ निधि'** की व्यवस्था की गयी है, जिसका प्रयोग प्रशिक्षु छात्राध्यापकों और महाविद्यालय के विकासात्मक कार्यों में किया जाता है।

🗎 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (आई.सी.टी. लैब) :-

वर्ष 2005 में, महाविद्यालय की 'सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला' की स्थापना हुई, इसमें 22 आधुनिक संगणक (कम्प्यूटर), 1 डी.एल.पी. प्रोजेक्टर, फोटो कोपियर, स्कैनर तथा वैब कैम जैसे उपकरण उपलब्ध हैं।

इसके अतिरिक्त प्राध्यापकों एवं अध्येताओं के लिए 'ऑप्टिकल फाईबर बेस्ड ब्रॉडबैंड', 100mbps सहित इंटरनैट, वाई-फाई एवं छायांकन का भी प्रावधान किया गया है।

🗎 उत्कृष्ट कक्षा कक्ष (स्मार्ट क्लास रूम) :-

महोदये! महाविद्यालय में एक उत्कृष्ट कक्षा कक्ष (स्मार्ट क्लास रूम) विशेष रूप से प्रशिक्षणाधीन शिक्षा स्नातकों व सेवारत अध्यापकों के 'पुनश्चर्या कार्यक्रम' हेतु स्थापित किया गया है, जिसमें प्रौद्योगिकीय क्षेत्र के अत्याधुनिक उपकरणों का प्रयोग किया जाता है। इसके साथ-साथ पाँच कक्षाओं में प्रशिक्षुओं के लिए 'प्रक्षेपक यन्त्रों' (प्रोजेक्टर) की सुविधा भी उपलब्ध है।

🗎 बहुभाषीय प्रयोगशाला :-

महाविद्यालय में प्रशिक्षुओं का भाषागत विकास करने के लिए 'बहुभाषीय प्रयोगशाला' बनाई जा रही है, जिसमें उन्हें हिन्दी, संस्कृत और अंग्रेजी भाषाओं का भाषा वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

🗎 पूर्व छात्र संगठन (ओ. एस.ए.) :-

महाविद्यालय में वर्ष 2003 में पूर्व छात्र संगठन की स्थापना की गई है। इस समय इसके सदस्यों की संख्या 250 है।

🗎 उत्पात विरोधी दस्ता (एण्टी रैगिंग सैल) :-

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार महाविद्यालय में उत्पात विरोधी दस्ता (एण्टी रैगिंग सैल) वर्ष 2010 से स्थापित किया गया है। महाविद्यालय में स्वस्थ शैक्षणिक, प्रजातान्त्रिक, सहयोगात्मक और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए यह प्रकोष्ठ यथा-सम्भव पूर्णतः प्रयासरत है। एतदर्थ महाविद्यालय में एक सुझाव/शिकायत पेटिका भी रखी गई है।

🗎 महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ :-

छात्राध्यापिकाओं और महिला वर्ग को अनेक वैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने व लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, निषेद्ध एवं निवारण) सम्बन्धी मामलों की जाँच हेतु 'महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ' की स्थापना की गई है, जिसके समक्ष कोई भी महिला (संकाय, छात्रा अथवा कर्मचारी) यौन निर्धारित अनिष्ट व्यवहार के विरुद्ध अपनी शिकायत अभिलिखित करवा सकती है। प्रो. अंजली शर्मा, प्रो. बबीता चम्बियाल व प्रो. शिवानी दत्ता इस प्रकोष्ठ की सदस्य हैं।

🗎 आन्तरिक गुणवत्ता आकलन प्रकोष्ठ (I.Q.A.C):-

महाविद्यालय में यह प्रकोष्ठ वर्ष 2003 में स्थापित किया गया है। प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर सभाएँ आयोजित की जाती हैं। इसके अन्तर्गत महाविद्यालय द्वारा किये गये सकल विकासात्मक कार्यों, आकादमिक व अन्य गतिविधियों की गुणवत्ता का आकलन कर अपेक्षित सुझाव दिये जाते हैं।

🗎 मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रकोष्ठ :- (Guidance & Counselling Cell)

महाविद्यालय में मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रकोष्ठ स्थापित है। इसके द्वारा प्रारम्भ से सत्रान्त तक प्रशिक्षुओं के आग्रह पर विभिन्न शैक्षणिक और व्यावसायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसमें मुख्यतः प्रशिक्षुओं के व्यक्तित्व विकास, किशोरावस्था व व्यावहारिक बोध, जीवन के विभिन्न कौशलों का विकास, प्रभावशाली शिक्षण-अधिगम

प्रक्रिया के लिए शिक्षण कौशल, शिक्षक का उत्तरदायित्व व भूमिका, अध्यापक पात्रता परीक्षा और राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा की तैयारी कैसे की जाए, इन विषयों में मार्गदर्शन किया जाता है।

🗎 रैड रिब्बन क्लब :-

प्रो. शिवानी दत्ता व डॉ. मनोज कुमार के नेतृत्व में 'रैड रिब्बन क्लब' एड्स के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का कार्य कर रहा है। महाविद्यालय में सत्र 2020-2021 में रैड रिब्बन क्लब द्वारा 'मानक संचालन प्रक्रिया' को ध्यान में रखते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया :-

- दिनांक 30 अगस्त 2020 को महाविद्यालय में 'एच. आई. बी. रोकथाम अभियान' पर एक दिवसीय अन्तर्जालीय वेबीनार का आयोजन किया गया।
- दिनांक 08 अक्तूबर 2020 को अन्तर्जालीय गूगलमीट द्वारा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दिनांक 26 फरबरी 2021 को महाविद्यालय में 'एड्स जागरूकता' पर विज्ञापन-पत्र (पोस्टर मेकिंग) सृजन की प्रतियोगिता करवाई गई।
- कोरोना महामारी के चलते दिनांक 06 मार्च 2021 को महाविद्यालय में 'मुख वस्त्रिका' (मॉस्क) की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- 5 जून 2021 को पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर प्रशिक्षु छात्राध्यापकों द्वारा अपनी गृह-परिधि में पौधारोपण किया गया।
- 21 जून 2021 को प्रशिक्षु छात्राध्यापकों द्वारा अपने निवास स्थान पर 'योग दिवस' का आचरण किया गया।
- दिनांक 1 जनवरी 2021 से 31 जनवरी 2021 तक एड्स की रोकथाम हेतु 'ज्ञान ही परमानन्द का स्रोत है', इस शीर्षक पर 'राज्यस्तरीय लघु चलचित्र सृजन' प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें महाविद्यालय के 4 प्रतिभागियों में से कुमारी तिशा ठाकुर ने सान्त्वना पुरस्कार में 5000 रुपये प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

🗎 रोवर्स व रेंजर्स इकाई :-

डॉ. राजीव कुमार व प्रो. रीनू चौधरी के नेतृत्व में महाविद्यालय में 'रोवर्स व रेंजर्स इकाई' स्थापित है, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणरत छात्राध्यापकों में मानवीय गुणों एवं मूल्यों का विकास कर भविष्य में आने वाली चुनौतियों का साहस और धैर्य के साथ डटकर सामना करना व नेतृत्व की भावना जागृत करना है। इस सत्र में इकाई द्वारा आयोजित की गयी गतिविधियों का विवरण इस प्रकार से है:-

- फरबरी 2020 में भारत स्काउट एण्ड गाईड हि. प्र. संस्था के अन्तर्गत महाविद्यालय के 24 रोवर्स एवं 24 रेंजर्स स्वयं सेवियों का पंजीकरण किया गया।
- 20 फरबरी 2020 को इकाई द्वारा 'शपथ ग्रहण समारोह' आयोजित किया गया।
- दिनांक 14 मार्च 2020 को इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर में प्रशिक्षु छात्राध्यापकों को 'मुख वस्त्रिका' (मॉस्क) व सामाजिक दूरी की महता से अवगत करवाया गया।
- दिनांक 21 अप्रैल 2020 को स्वयं सेवियों द्वारा कोविड-19 के दौरान आयोजित वेबीनार में भाग लिया।
- 'सार्वजनिक विचरण पाबन्दी' (लॉक डाउन) के दौरान स्वयं सेवियों द्वारा मॉस्क बनाकर अपने आस-पड़ोस में वितरित किये गये, 'आरोग्य सेतु ऐप' में सामाजिकों का पंजीकरण करवाने में अपनी सेवाएँ दीं एवं कोविड-19 महामारी के दौरान सामाजिकों को तथ्यों व भ्रांतियों के विषय में जागरूक किया।
- 25 जुलाई 2020 से 17 सितम्बर 2020 तक राज्य स्तरीय 'अन्तर्जालीय (ऑनलाइन) कौशल विकास कार्यशाला' में महाविद्यालय की रेंजर कुमारी संजीवनी कश्यप ने मॉस्क मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा प्रारम्भिक संगणक कौशल (बेसिक कम्प्यूटर स्किल) में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- 21 सितम्बर 2020 को 'अन्ताराष्ट्रीय शान्ति दिवस' पर आयोजित वेबीनार में स्वयं सेवियों ने भाग लिया।

- 8 मार्च 2021 को 'अन्ताराष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर इकाई द्वारा महाविद्यालय में समस्त महिला शिक्षक व गैर शिक्षक महिला वर्ग को सम्मानित किया गया।
- कोरोना की दूसरी लहर के दौरान स्वयं सेवियों ने कोरोना उपचार केन्द्र, (कोविड केयर सैन्टर) **परौर**, जिला काँगड़ा में अपनी सेवाएँ दीं तथा अपने आस-पड़ोस के विद्यालयीय छात्रों के अध्ययन में मार्गदर्शन किया। साथ ही साथ सद्यस्क (ऑन लाईन) माध्यम द्वारा समाज में जागरूकता अभियान भी चलाया।
- दिनांक 13 अगस्त 2021 को सत्र 2019-2020 की इकाई का 'सत्र समाप्ति समारोह' सम्पन्न हुआ और साथ ही सत्र 2021-2022 की इकाई का भी गठन किया गया।
- दिनांक 15 सितम्बर 2021 को वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर स्वयं सेवियों द्वारा युद्ध में वीरगति प्राप्त भारतीय सपूतों का **युद्ध स्मारक, धर्मशाला** में अभिवन्दन कर श्रद्धांजली अर्पित की।
- दिनांक 20 सितम्बर 2021 को महाविद्यालय परिसर में औषधीय पौधों का रोपण किया।
- दिनांक 21 सितम्बर 2021 को काँगड़ा केन्द्रीय सहकारिता वित्तकोष के तत्वावधान में 'वित्तीय साक्षरता कार्यशाला' में प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

🗎 सेवारत अध्यापक प्रशिक्षण :-

हिमाचल प्रदेश सरकार ने राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय धर्मशाला को उच्च शिक्षा में सेवारत शिक्षक एवं गैरशिक्षक कर्मचारियों की प्रशिक्षण नीति के अन्तर्गत प्रशिक्षण का उत्तरदायित्व सौंपा है। महाविद्यालय संवर्ग में सेवारत प्राध्यापकों तथा विद्यालय संवर्ग में सेवारत मुख्याध्यापकों, स्नातकोत्तर अध्यापकों, लिपिक वर्गीय कर्मचारी एवं पुस्तकालयाध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया जाता है। सत्र 2020-21 में महाविद्यालयीय प्राध्यापकों का दिनांक 28.10.2020 से 10.11.2020 तक दो सप्ताह का 0 से 5 वर्षीय सेवाकालीन आभासीय 'शिक्षक प्रवर्तन प्रशिक्षण कार्यक्रम' (इण्डक्शन टीचर ट्रेनिंग प्रोगाम) सम्पन्न हुआ, जिसमें 54 प्राध्यापकों न भाग लिया। इसी संवर्ग के 6 से 15 वर्ष

का सेवाकाल पूर्ण कर चुके प्राध्यापकों का दिनांक 15 मार्च 2021 से 20 मार्च 2021 तक साप्ताहिक सेवाकालीनआभासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम **(दक्षता अभिवर्धन - कैपेस्टी बील्डिंग)** सम्पन्न हुआ, जिसमें 19 प्रतिभागियों न भाग लिया।

विद्यालयीय प्रधानाचार्यों व मुख्याध्यापकों के लिए दिनांक 21 सितम्बर 2020 से 26 सितम्बर 2020 और 5 अक्तूबर 2020 से 10 अक्तूबर 2020 तक 2 साप्ताहिक आभासीय सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुए, जिनमें क्रमशः 44 एवं 39 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दिनांक 8 फरबरी 2021 से 13 फरबरी 2021, 15 फरबरी 2021 से 20 फरबरी 2021 एवं 22 फरबरी 2021 से 27 फरबरी 2021 तक क्रमशः 34, 42 व 44 विद्यालयीय प्राध्यापकों ने आभासीय प्रशिक्षण प्राप्त किया।

🗎 सांस्कृतिक गतिविधियाँ :- (प्रभारी प्रो. अंजली शर्मा)

कोरोना महामारी के कारण यद्यपि महाविद्यालगत गतिविधियों का पूर्णतः आयोजन करवाना सम्भव नहीं हुआ, तथापि 'मानक संचालन प्रक्रिया' को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में यथा-परिस्थिति पाठ्यक्रम के साथ-साथ शैक्षणिक सत्र 2020-2021 में महाविद्यालाय की 'सांस्कृतिक समिति' द्वारा विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिनमें :-

- 22 दिसम्बर 2020 को आभासीय 'गणित दिवस' का आयोजन।
- 1 मार्च 2021 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षुओं द्वारा मॉडल, चार्ट एवं पोस्टर का विशेष प्रदर्शन किया गया।
- 8 मार्च 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अन्तर्गत महाविद्यालय के महिला वर्ग का सम्मान समारोहसम्पन्न हुआ।
- 5 जून 2021 को आभासीय पर्यावरण दिवस का आयोजन।

- 21 जून 2021 को महाविद्यालय में विश्व योग दिवस का आयोजन।
- दिनांक 9 अगस्त 2021 से 15 अगस्त 2021 तक हि.प्र. सरकार के दिशानिर्देशानुसार 'स्वच्छ हिमाचल, स्वस्थ हिमाचल'कार्यक्रम के अन्तर्गत 'नारा लेखन' प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता एवं परिसर में प्रशिक्षुओं द्वारा 'स्वच्छता अभियान' चलाया गया।
- महाविद्यालयीय प्रशिक्षु छात्राध्यापिकाओं द्वारा राखी बनाकर युद्ध स्मारक, धर्मशाला में सेना के तीनों ध्वजों को राखी बान्धकर देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के लिए राखियाँ भेजी गईं।
- 14 अगस्त 2021 को महाविद्यालय के कन्या छात्रावास की 'औषधीय वाटिका' में विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण व 'भारत की आजादी का संघर्ष' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता करवायी गयी।
- दिनांक 4 सितम्बर 2021 को महाविद्यालय में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन।
- 14 सितम्बर 2021 को 'हिन्दी दिवस' के अवसर पर काव्य पाठ एवं भाषण प्रतियोगिता।
- विभागीय दिशा निर्देशानुसार स्वतन्त्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में **'आजादी का अमृत महोत्सव'** अभियान के अन्तर्गत **धामी गोली काण्ड, पझौता आन्दोलन** और **सुकेत सत्याग्रह** इन तीन आन्दोलनों पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन, साथ ही साथ पझौता आन्दोलन पर छात्राध्यापकों द्वारा नाटक का अभिमंचन।
- वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में सेवा सप्ताह का आयोजन।
- 5 अक्तूबर 2021 को 'विश्व शिक्षक दिवस' व 'हिमाचल प्रदेश राज्यत्व स्वर्ण जयन्ती' के उपलक्ष्य पर 'शिक्षक अनुसंधान और प्रशिक्षण राज्य परिषद्, सोलन के तत्वावधान में आभासीय 'विश्व शिक्षक दिवस' के कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक वर्ग की सहभागिता रही।

🗎 महाविद्यालय के सदस्यों की उपलब्धियाँ :-

♣ प्रो. सपना बण्टा (प्राचार्या)

- ➥ दिनांक 5 अगस्त 2021 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला की 'अकादमिक परिषद्' के चयनित 10 नये सदस्यों में महाविद्यालय की प्राचार्या 'प्रो. सपना बण्टा' को भी परिषद् का सदस्य नियुक्त किया गया।
- ➥ सितम्बर 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत जिला काँगड़ा में 'मैम्बर ऑफ टास्क फोर्स' की सदस्य।
- ➥ 24 मार्च 2020 को HPU Court सदस्य।

♣ प्रो. विवेक सूद

- ➥ Member BOS, HPU, Department of Education, Subject-English.
- ➥ Approved Posts for ICDEOL, HPU, in the capacity of member BOS.
- ➥ Approved the curriculum of M.A. Education, (English) in the capacity of
  Member of BOS.

♣ प्रो. युगराज सिंह

- ➥ Member of Prospectus Committee for two years B.Ed. Course Himachal Pradesh University, Shimla-5
- ➥ Acted as Resource Person for B.Ed. 2nd Year Online Practice Teaching Skills for Regional Centre Dharamshala w.e.f. 25th April, 2021 to 4th May, 2021.

♣ प्रो. बबीता चम्बियाल

- ➥ Capacity Building In-service Teacher Training Programme attended from 15-03-2021 to 20-03-2021 organized by GCTE Dharamshala.

- Online Webinar was organized by Mathematics Club on Mathematics Day 22nd December, 2020.
- Online webinar on National Policy of Education 2020 organized by Govt. Degree College Jawali on October 8, 2020.

♣ **प्रो. मनोज कुमार (संगणक अनुप्रयोग) Computer Application**

- Coordinated Two weeks online Induction Teachers Training Programme for Assistant Professor (Colleges) with 0-5 years of service w.e.f. 28-10-2020 to 10-11-2020.
- Coordinator online one week In-service Training Programme (Gem, Financial Administration and School Management) w.e.f. 21-09-2020 to 26-09-2020.

♣ **प्रो.शिवानी दत्ता**

- Participated in an Online National Webinar conducted on National Education Policy 2020 (New Vista in Higher Education) on October 8, 2020 by Government Degree College Jawali (Kangra), H.P.
- Participated in FIP03 conducted by UGC-HRDC, HPU, Shimla-171005 From 18-01-2021 to 16-02-2021)
- Attended a webinar on COVID conducted by SIHFW, Parimehal Shimla- a Red Cross Initiative.

♣ **डॉ. राजीव कुमार**

- Qualified departmental Examination February, 2020 conducted by HIPA-Shimla.
- Completed 2 weeks refresher Course in ICT (Inter Disciplinary) of two weeks duly conducted by HRDT, HPU Shimla-5

- Completed Induction Programme of two weeks organized by GCTE Dharamshala.
- Did social service with SDM Nagrota Bagwan during Covid-19 lockdown II. Supervised the outside Himachali who entered the state in the month of June, 2020.

♣ डॉ. अतुल ठाकुर

- Acted as subject expert for Moderation in TET-Examination 2020, conducted by H.P. Board of School Education, Dharamshala.
- Performed confidential assignment related to evaluation assigned by HPU, Shimla-5.
- Acted as Resource Person for B.Ed. 2nd Year Online Practice Teaching Skills for Regional Centre Dharamshala w.e.f. 25th April, 2021 to 4th May, 2021.

♣ डॉ. अनूप कुमार

- Published a Research Paper on 'Teacher Education in the Light of National Education Policy 2020: Challenges and Opportunities' in Internal Journal of Emerging Technologies and Innovative Research, March, 2021, Volume-8, Issue (3).
- Acted as Resource Person and delivered expert lecture (Offline mode) on the topic "Psychometrics : Development of Scales and Tests" on 22/03/2021 in ten days National Level Research Methodology Course sponsored by ICSSR, New Delhi and organized by School of Education, Central University of Himachal Pradesh.

- Acted as subject expert for Moderation in TET-Examination 2020, conducted by Himachal Pradesh Board of School Education, Dharamshala.
- Performed confidential assignment related to evaluation assigned by Himachal Pradesh University, Shimla-5.
- Acted as Resource Person for B.Ed. 2nd Year Online Practice Teaching Skills for Regional Centre Dharamshala w.e.f. 25th April, 2021 to 4th May, 2021.

♣ प्रो. रीनू चौधरी

- Online Beginners course conducted by The Bharat Scouts and Guide Himachal Pradesh, state headquarters w.e.f. 20th October 2020 to 23rd October 2020.
- Attended online webinar organized by Mathematics club on Mathematics Day on 22nd December, 2020.

♣ डॉ. मनोज कुमार (संस्कृत)

- 4 शोध पत्रों का प्रस्तुतिकरण।
- दिनांक 28.10.2020 से 10.11.2020 तक दो सप्ताह के 0 से 5 वर्षीय
- आभासीय सेवाकालीन 'शिक्षक प्रवर्तन प्रशिक्षण कार्यक्रम' (इण्डक्शन टीचर ट्रेनिंग प्रोगाम) में भाग लिया।
- विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित संस्कृत साहित्य के विविध विषयों पर राष्ट्रीय स्तर की 5 आभासीय कार्यशालाओं में प्रतिभागिता रही।
- दिनांक 3 दिसम्बर 2020 को अपना शोध कार्य सम्पन्न कर 'केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय', नई दिल्ली से **'विद्यावारिधि'** (Ph.D) की उपाधि प्राप्त की।
- दिनांक 24 जनवरी 2021 को 'हिमाचल संस्कृत अकादमी' शिमला द्वारा आयोजित 'हि.प्र. स्वर्ण जयन्ती महोत्सव' के उपलक्ष्य परराज्यस्तरीय आभासीयकवि सम्मेलन में 'संस्कृत काव्य पाठ' प्रस्तुत किया।

➥ दिनांक 2 मार्च 2021को 'हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी' शिमला द्वारा 'पहाड़ी शब्दकोश' सृजनार्थ 'परियोजना संगोष्ठी' में परियोजना-प्रस्तुति दी गई।

🗎 महाविद्यालय में विकासात्मक कार्य :-

➥ महाविद्यालय अध्यापक प्रशिक्षण कक्ष में संवादात्मक फलक (इन्ट्रेक्टिव पैनल) की स्थापना।

➥ विशिष्ट सूचना पट्ट (एक्रेलिक नोटिस बोर्ड) की स्थापना।

➥ महाविद्यालय परिसर में लौह-सूचना-फलक (आयरन बोर्ड) की स्थापना।

➥ कन्या विनोद कक्ष (कॉमन रूम) का नवीनीकरण।

➥ सूखी पत्तियों हेतु 'अपक्षय घटकों' (डीकम्पोजिंग यूनिट) की स्थापना।

➥ सूचना एवं प्रौद्योगिकी संकाय में 14 नये संगणकों (कम्प्यूटर व सी.पी.यू.) की स्थापना।

➥ तीन छायांकन यंत्र (फोटो कॉपियर) चित्रान्वीक्षक (स्कैनर) मुद्रक (प्रिंटर) की स्थापना।

➥ परिसर में विद्युतीय सुधार (इलैक्ट्रिकल रिपेयर)।

➥ नवीन जलशोधक (वाटर फिल्टर) एवं जल शीतक (वाटर कूलर) की स्थापना व पुरातन जलशीतक का अन्यत्र स्थापन।

➥ अध्यापक प्रशिक्षण कक्ष के बाहरी भाग पर छत्त का निर्माण।

➥ महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ में शिकायत पेटिका की स्थापना।

➥ परिसर के दो प्रकोष्ठों का जीर्णोद्धार कर कक्षा-कक्ष हेतु व्यवस्थापन।

➥ पुस्तकालय में इन्फ्लिबनेट, संगणक, चित्रान्वीक्षक (स्कैनर),मुद्रक (प्रिंटर) व अन्तर्जालीय सुविधा का प्रावधान। अवांछनीय (अनैक्स्पेक्टिड) अवरोध हेतु पुस्तकालय के बाहर कैंची द्वार (चैनल गेट) लगवाया गया। इसके साथ ही साथ पुस्तकालय में नयी पुस्तकों का क्रयण-प्रक्रिया जल्द ही पूरी हो रही है।

➥ विज्ञान भवन, कन्या छात्रावास एवं सूचना व प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला में वातायन फलक (विण्डो पैन) का पुनरुद्धार।

➥ कर्मचारी वर्ग के शौचालय का नवीनीकरण कर, बाहरी भाग में कपाट लगवाया गया।

➥ परिसर व समस्त कक्षा-कक्षों में बन्द-परिपथ-दूरदर्शी-चलचित्रक **(सी.सी.टी.वी.)** कैमरों को लगवाया गया।

➥ कन्या छात्रावास में शिकायत पेटिका, संगणक, चित्रान्वीक्षक (स्कैनर), मुद्रक (प्रिंटर) व अन्तर्जालीय सुविधा का प्रावधान। साथ ही साथ छात्रावास के विनोद कक्ष (कॉमन रूम) में सिलाई मशीन और पर्दों की व्यवस्था की गई।

🗎 निर्माणाधीन विकासात्मक कार्य :-

परिसर में कुछ कार्य निर्माणाधीन एवं प्रक्रिया में हैं, जिनमें वर्षा जल संचयन प्रणाली का जीर्णोद्धार, वॉस्केट बॉल कोर्ट का निर्माण, प्रशासनिक व अकादमिक भवन की छत का जीर्णोद्धार, वाहन स्थगन स्थल (पार्किंग) पर टायलें डलवाना, प्रशिक्षु छात्राध्यापिकाओं के लिए परिसर मे शौचालय एवं रोगी कक्ष (सिक रूम) सहित नवीन विनोद कक्ष (कॉमन रूम)की प्रक्रिया प्रगति पर है।

🗎 धन्यवाद ज्ञापन :-

अन्त में, मैं इस समारोह की मुख्यातिथि महोदया का हार्दिक धन्यवाद करती हूँ कि आपने अपना बहुमूल्य समय निकालकर अपनी गरमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाकर,अपने ओजस्वी वक्तव्य से हमारे छात्राध्यापकों को उपकृत किया, क्योंकि मुझे लगता है कि समय ही सभी का सबसे मूल्यवान उपहार है। अतः पुनः महाविद्यालय परिवार की ओर से आपका आभार सहित कोटिशः धन्यवाद।

कार्यक्रम में उपस्थित समस्त गणमान्य महानुभाव, महाविद्यालय परिवार और प्रशिक्षु छात्राध्यापक वृन्द के प्रति भी अपनी विशेष कृतज्ञता प्रकट करती हूँ कि आप सभी के सामूहिक सहयोग से ही कोरोना काल की विकट परिस्थियों में भी हमारे विद्या मन्दिर का यह 'वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह' सम्पन्न हुआ है, इसलिए आप सभी साधुवाद और धन्यवाद के पात्र हैं। मुझे आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी महाविद्यालय परिवार की कर्तव्य निष्ठा व सहयोग से हमारा महाविद्यालय उन्नति पथ

पर निरन्तर अग्रसर होता हुआ; शिक्षा-क्षेत्र में नये प्रतिमान स्थापित कर अपनी अमिट छाप छोड़ता रहेगा। कार्यक्रम की सुसम्पन्नता पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

धन्यवाद ।

जय हिन्द, जय हिमाचल ।

प्राचार्या
प्रो. सपना बण्टा
रा. अ. शि. महाविद्यालय
धर्मशाला,जिला काँगड़ा (हि.प्र.)
पत्रालयीय कूट संख्या - 176215

दिनांक : 19 अक्तूबर 2021